

लोक-सभा वाद-विवाद  
का  
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

**SUMMARISED TRANSLATED VERSION  
OF  
4th  
LOK SABHA DEBATES**

[ दूसरा सत्र ]  
[ Second Session ]



[ संड VIII में अंक 51 से 62 तक हैं ]  
[ Vol. VIII contains Nos. 51 to 62 ]

लोक-सभा सचिवालय  
नई दिल्ली

**LOK SABHA SECRETARIAT  
NEW DELHI**

विषय-सूची / CONTENTS

संक 59 बुधवार, 9 अगस्त, 1967 / 18 श्रावण, 1889 (शक)

*No. 59 Wednesday, August 9, 1967 / Sravana 18, 1889 (Saka)*

विषय	Subject	पृष्ठ/Pages
निधन सम्बन्धी उल्लेख	OBITUARY REFERENCE	... .. 1237-1240

---

लोक-सभा वाद-विवाद (संक्षिप्त अनूदित संस्करण)  
LOK SABHA DEBATES (SUMMARISED TRANSLATED VERSION)

---

लोक-सभा  
LOK-SABHA

---

बुधवार, 9 अगस्त, 1967/ 18 श्रावण, 1889 (शक)  
*Wednesday August 9, 1967/Srayana 18, 1889 (Saka)*

---

लोक-सभा ग्यारह बजे समवेत हुई  
*The Lok Sabha met at Eleven of the Clock*

{ अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए }  
{ Mr. Speaker in the chair }

निधन सम्बन्धी उल्लेख  
OBITUARY REFERENCE

अध्यक्ष महोदय : मुझे सभा को सूचित करना है कि आज सुबह श्री जय बहादुर सिंह का नई दिल्ली में देहान्त हो गया है।

श्री जय बहादुर सिंह उत्तर प्रदेश के घोसी चुनाव क्षेत्र से इस सभा के वर्तमान सदस्य थे। वह तीसरी लोक सभा के भी सदस्य थे। वह अत्यंत सरल व्यक्ति थे और सभा की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। वह कृषकों के हितों के पक्के समर्थक थे।

हमें अपने इस मित्र की मृत्यु पर बहुत दुख हुआ है।

प्रधान मंत्री तथा अखु-शक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : आज हम अपने मित्र श्री जय बहादुर सिंह, की असामयिक मृत्यु पर शोक प्रकट करने के उद्देश्य से इकट्ठे हुए हैं। वह 1962 से इस सभा के सदस्य थे। इससे पहले वह उत्तर प्रदेश विधान सभा में थे। परन्तु हम उन्हें कई वर्षों से एक सच्चे और निष्ठावान कृषि कार्यकर्ता के रूप में जानते हैं। वह बहुत शक्तिशाली और ईमानदार व्यक्ति थे। हमें उनकी मृत्यु पर बहुत दुख हुआ है।

Shri. A. B. Vajpayee (Balrampur) : Sir, I associate myself with what you and the leader of the House have said. I know him when he was in Uttar Pradesh and even when he come to Delhi the cause of the depressed and the down trodden was upper-most in his heart.

He was all right yesterday and it is difficult to say under which circumstance he died. Sometimes it is doubted that he was not properly looked after in the hospital. I would request the Prime Minister to give instructions to the Health Minister to see whether proper treatment was given to him in the hospital or not.

श्री श्री० म० डांगे (बम्बई-मध्य दक्षिण) : कामरेड जय बहादुर सिंह की मृत्यु से केवल हमारे दल ने एक महान सेनानी नहीं खो दिया है बल्कि सारे देश में लोकतान्त्रिक आन्दोलन को उनकी मृत्यु से आघात पहुँचा है ।

कामरेड जय बहादुर सिंह विशेषकर बलिया जिले में किसान आन्दोलन के नेता थे और तत्पश्चात् वह किसान समा और समूचे देश में किसान नेता के रूप में सामने आये । वह साम्यवादी दल के भी एक आदरणीय नेता थे ।

केवल हाल में ही वह हृदय रोग के कारण इलाहाबाद अस्पताल में एक महीने तक रहे । तब उन्हें वहाँ से छुट्टी दी गई और फिर पिछले सप्ताह वह बलिंगडन अस्पताल गये । मैं इस समय किसी व्यक्ति पर दोष नहीं लगाना चाहता परन्तु उन्हें हृदय रोगी घोषित किया गया और कहा गया कि वह कोई भी कार्य कर सकते हैं । अतः वह दो दिन पूर्व हड़ताल करने वाली महिलाओं के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से लखनऊ गये थे और बड़ी उत्तेजना के साथ वापिस आये और उनका स्वर्गवास हो गया । हमें आशा है कि दूसरे सेनानी अब उनका कार्य सम्हाल लेंगे ।

Shri Madhu Limaye (Monghyr) : Sir, I come in contact with Shri Jai Bahadur Singh when I came here in the third Lok Sabha. He belonged to one of the most backward regions of the country. He played an important role in the peasants movement. He was always sympathetic to the down trodden and the exploited.

श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी (केन्द्रपाड़ा) : अन्य माननीय मित्रों ने जो विचार व्यक्त किये हैं मैं अपने को उनके साथ सम्बद्ध करता हूँ । चाहे वह अन्य सदस्यों की भांति कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग नहीं लिया करते थे परन्तु जिस किसी ने भी उन्हें ध्यान से देखा होगा वह इस निष्कर्ष पर पहुँच गये कि जब कभी भी सभा में कृषकों के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उठाया जाता था तो श्री जय बहादुर सिंह दृढ़ रवैया अपनाया करते थे और हमेशा किसानों के हित के लिये संघर्ष करते रहते थे ।

मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव से जानता हूँ कि वह इस देश में कुछ संसदीय परम्परायें स्थापित करने के पक्ष में थे । अतः मैं कहना चाहता हूँ कि हमने एक ऐसे कामरेड को खो दिया है जो हमारे संसदीय जीवन को समृद्ध कर देता ।

श्री राम मूर्ति (मदुरै) : मैं श्री जय बहादुर सिंह को पिछले 20, 25 वर्षों से जानता था । हम देश के स्वतन्त्रता आन्दोलन में भी इकट्ठे रहे। उनका सम्बन्ध साम्यवादी दल के अन्तर्गत चलाये गये राष्ट्रीय आन्दोलन से भी था और उन्हें साम्राज्यवाद के खिलाफ साम्राज्य विरोधी संघर्ष के दौरान करावास में भी जाना पड़ा । क्योंकि वह बहुत ही पिछड़े हुए श्रेष्ठ बलिया के रहने वाले थे अतः उनका ध्यान वहाँ के किसानों की ओर जाना स्वाभाविक था ।

उन किसानों को इकट्ठा करना कोई आसान काम नहीं था। इसका कारण केवल यही नहीं था कि जमीदार और बड़े बड़े भूस्वामी उनका दमन किया करते थे बल्कि उनको पुलिस की सहायता भी मिलती थी। परन्तु फिर भी वह एक ऐसे युवक थे जिन्होंने किसानों के महान आन्दोलन को चलाया और जमीदारों द्वारा किये जा रहे दमन के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

**श्री रंगा (श्रीकाकुलम) :** ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है जो किसानों के लाभ के लिये काम करते हैं। किसानों के लिये जितना कार्य श्री जय बहादुर सिंह ने किया है उतना काम बहुत कम लोगों ने किया है। उन्होंने अपने जिले के किसानों की बहुत सेवा की है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ति दे।

**Shri Chandrika Prasad (Ballia) :** Sir, Shri Jai Bahadur Singh was very near to me. Though he was a Member of an opposition party yet he was very much popular with the congress workers. He was very much sympathetic to the downtrodden and agriculturists. Whatever problems arose we used to sit together and solve them. With his death the poorer sections of the country have suffered a loss.

**Shri Sheo Narain (Basti) :** Sir, Shri Jai Bahadur Singh, being a son of a Zamindar, did a lot for the agriculturists and Harizans, I can say with authority that there can be no such communist member as he was who had no ill-feelings against anyone.

**Shri Y. S. Kushwah (Bhind) :** Sir, with the said demise of Shri Jai Bahadur Singh the agriculturists have lost a real sympathetic leader. On behalf of my party I request you to convey our condolences to the bereaved family.

**श्री कृष्णमूर्ति (कड्डलूर) :** डी० एम० के० की ओर से मैं श्री जय बहादुर सिंह के दुःखद निघन पर व्यक्त की गई भावनाओं से अपने आपको सम्बद्ध सरता हूँ।

**Shri Isbaq Sambhali (Amroha) :** In the death of comrade Jai Bahadur Singh India has lost a fearless leader. He used to fight for the labourers and agriculturists and had a soft corner for the down-trodden and the oppressed. Only recently when three and a half thousand ladies were retrenched in U. P, he went there and kept fast for them though he was advised not to do so because he had a heart trouble.

**Shri Maharaj Singh Bharati (Meerut) :** I came in contact with Shri Jai Bahadur Singh when he was a member of the Legislative Council of Uttar Pradesh from the communist party. All that time when opposition parties used to oppose each other there was no such thing between Shri Jai Bahadur Singh and us who were in the opposition. The number of such persons is very insignificant in politics whose attitude is progressive and who have so much balance of mind that they can work side by side with the opposition parties, Shri Jai Bahadur Singh possessed such a quality.

**Shri S. M. Banerjee (Kanpur) :** My association with Comrade Jai Bahadur Singh in political field was nearly twenty years old. When he came here day before yesterday, I had advised him to take rest. His death would not have been as painful to me as I feel today had some heart expert of Wellington Hospital reached him before his death. He arrived only when he had already expired. I don't say that the matter should be enquired into but some heart expert had advised him that his old heart was quite normal so he began to taking active part in political activities. As a result of that we have lost him.

I pay my homage to him. He has expired on a day which is a day of remembrance in history. On this day thousands of men and woman had held the hammer of revolution high.

श्री घा० ना० मुल्ला (लखनऊ) : मैं अपने दल की ओर से इस सभा के सदस्यों द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं से अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ ।

मैं श्री जय बहादुर सिंह को पहले नहीं जानता था परन्तु जब मैं पिछली बार उर्दू भाषा के सम्बन्ध में लखनऊ गया तो उनसे मेल हुआ । क्योंकि हम दोनों एक ही काम से सम्बद्ध थे । उन्होंने इस बारे में सहानुभूति प्रकट करने के लिये 24 घंटे की भूख हड़ताल भी की थी । वह निडर कार्यकर्त्ता थे और जब वह महसूस करते थे कि यह जनता का कार्य उन्होंने करना है तो वह उसे करने में कभी नहीं चूकते थे ।

श्री मुहम्मद इस्माइल (मंजेटी) : इस माननीय सदस्य के असामयिक निधन पर सभा में जो विचार व्यक्त किये गये हैं मैं अपने आपको उससे सम्बद्ध करता हूँ ।

मैं यह भी प्रार्थना करता हूँ कि हमारी संवेदनायें उनके परिवार के सदस्यों तक पहुंचाई जाये ।

अध्यक्ष महोदय : सभा अब अपना शोक व्यक्त करने के लिये कुछ समय के लिये मौन खड़ी रहेगी ।

तत्पश्चात् सदस्य कुछ समय तक मौन खड़े रहे :

The members then stood in silence for a short while.

इसके पश्चात् लोक सभा गुरुवार, 10 अगस्त, 1967/19 श्रावण, 1889 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई ।

The Lak Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on thursday, August 10, 1967/ Sravana 19, 1889 (Saka).